Nai Dunia (Indore), 14th April 2023, Naidunia City, Page-I

पढ़ाई के साथ अपनी स्किल सुधारकर करियर को दे रहे पंख

तेजी से बदलती जाब-करियर की दुनिया में खुद को अपडेट रखना बहुत जरूरी है। चाहे आप जाब में हों या बिजनेस में, वक्त के साथ चलने के लिए अपनी स्किल को बेहतर करना जरूरी है, वरना पीछे रह जाओगे। इसी कारण आजकल विद्यार्थी हो या प्रोफेशनल, हर कोई अब अपनी स्किल को बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इनके लिए शहर में कई ऐसे क्षेत्रों में स्किलिंग बढ़ाने के कोर्सेस चल रहे हैं जिससे वे अपने वर्तमान प्रोफेशन के साथ दूसरे क्षेत्रों में भी एक महीने से लेकर तीन वर्ष तक का प्रशिक्षण लेकर कदम रख सकते हैं। पिछले वर्षों में इसका लाभ भी प्रोफेशन को मिला है और उन्हें अब करियर में आगे बढ़ने के बेहतर मौके प्राप्त हुए हैं।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र ऐसे ही युवाओं की स्किल को बेहतर करने का काम कर रहा है। यहां संचालित हो रहे कोर्सेस को करने के बाद 70 से 80 फीसद युवाओं को रोजगार मिल रहा है। संस्थान में बैचलर आफ वोकेशन और मास्टर आफ वोकेशन के साथ डिप्लोमा और शार्ट टर्म कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इसमें जीएसटी, कंप्यूटर हार्डवेयर मेंटेनेंस, वेब डिजाइनिंग, आफिस आटोमेशन, जावा कोडिंग, आटोकेड से लेकर सायबर क्राइम सिक्यूरिटी, लाजिस्टिक, डिजिटल मार्केटिंग, इंपोर्ट-एक्सपोर्ट, लैंडस्केप डिजाइन, फिटनेस न्यूट्रीशन, एडवांस ट्रेनिंग इन एक्सल और अन्य कई तरह के कोर्सेस कराए जा रहे हैं। केंद्र में हर वर्ष 300 से ज्यादा विद्यार्थी प्रवेश ले रहे हैं और इसमें से करीब 250 युवाओं को रोजगार मिल रहा है। प्रोफेशनल की स्किल को बेहतर करने में आइआइटी इंदौर और आइआइएम भी कई तरह के कोर्स करा रहे हैं। नईदुनिया सिटी ने शहर में संचालित हो रहे शार्ट टर्म कोर्सेस में किसकी डिमांड बनी हुई है और इसके क्या लाभ हो रहे हैं इस पर विशेषज्ञों से बात की।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र ने कंपनियों से किया समझौता

आइआइटी इंदौर और आइआइएम भी करा रहे कई तरह के शार्ट टर्म कोर्स

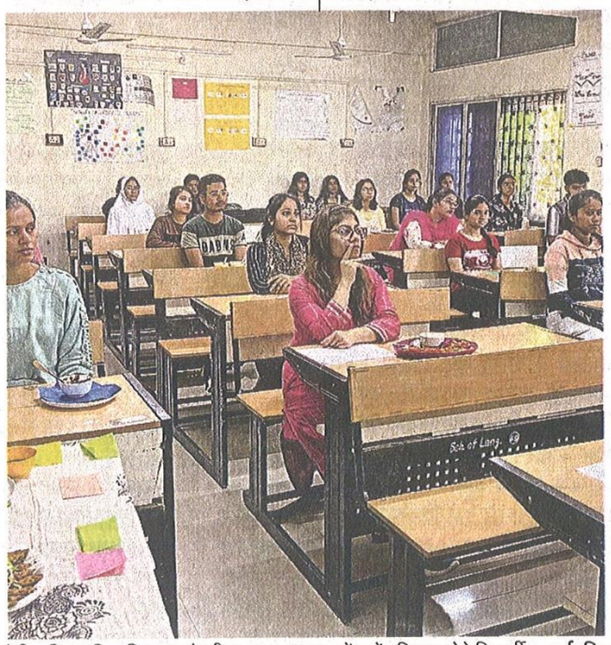

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय केंद्र में प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी। ● नईदुनिया

सभी कोर्स कस्टमाइज, एक से दूसरे कोर्स में स्विच करना आसान

दीनदयाल उपाध्याय केंद्र में संचालित हो रहे 44 से ज्यादा शार्ट टर्म कोर्स और अन्य कोर्सेस में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार प्रवेश दिया जा रहा है। केंद्र की हेड डा. माया इंगले का कहना है कि हमारे कोर्सेस में विद्यार्थी कभी भी प्रवेश ले सकते हैं और किसी भी समय बीच में छोड़ सकते हैं। उदाहरण के तौर पर डिप्लोमा कोर्स एक वर्ष का है। ऐसे में विद्यार्थी अगर छह महीने में ही छोड़ना चाहते हैं तो उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाता है।

डा. माया इंगले

पीथमपुर में हर तरह की स्किल की जरूरत, इसलिए बढ़ रहा क्रेज

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी अतुल भरत का कहना है देश में कुछ ही ऐसे शहर हैं जहां कई तरह के शार्ट टर्म कोर्स करने के विकल्प मौजूद हैं। इसमें इंदौर का नाम तेजी से उभर रहा है। यहां जावा जैसी टेक्नोलाजी सीखनी हो या हैंडीक्राफ्ट का कोर्स करना हो बहुत कम फीस में उपलब्ध है। एनिमेशन, आंत्रप्रेन्योरिशप और प्रोडक्ट मैनेजमेंट जैसे विषयों पर अलग से स्पेशलाइजेशन की सुविधा मौजूद है। शहर के इंजीनियरिंग कालेजों में भी तकनीकी दुनिया की बड़ी कंपनियों की लैब स्थापित हो गई है, जिसका लाभ लिया जा सकता है।

अतुल भरत

आइआइटी और आइआइएम भी कर रहे प्रयास

आइआइटी इंदौर के पीआरओ सुनिल कुमार ने बताया आइआइटी इंदौर का मकसद केवल बीटेक कराना ही नहीं है। इसके साथ देश के युवाओं की स्किल को बेहतर करना भी मकसद है। इसके लिए आइआइटी कई तरह के कोर्स करा रहा है। इसकी जानकारी विद्यार्थी और प्रोफेशनल पोर्टल के माध्यम से ले सकते हैं। इसी तरह आइआइएम इंदौर में भी स्पेशलाइज फेकल्टी डेवलपमेंट कोर्स कराए जा रहे हैं। इसमें केस राइटिंग डेवलपिंग मैनेजमेंट केसेस, कंटेंपरेरी टापिक्स इन मार्केटिंग मैनेजमेंट, कार्पोरेट स्ट्रेटेजी, मार्केटिंग एथिक्स, यूजिंग एंड डेवलपिंग सिम्यूलेशन गेम्स इन मैनेजमेंट शामिल हैं।